भारत सरकार
भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय
भारी उद्योग विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 4975
गुरूवार, 25 अप्रैल, 2013

कार उत्पादन में कमी

4975. श्री अशोक तंवर:

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या अप्रैल-नवंबर, 2012 के दौरान वर्ष 2011 के दौरान इसी अवधि के मुकाबले पैसेंजर कार उत्पादन घटकर एक प्रतिशत रह गया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण है;

(ग) क्या सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (एसआईएएम) के अनुसार पैसेंजर कार उत्पादन पिछले 10 वर्षों से 17% की दर से बढ़ रहा था;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण है;

(ङ) क्या सरकार को ऑटोमोटिव मिशन प्लान (2006-2016) द्वारा उठाए जाने वाले प्रस्तावित कदमों की जानकारी है;

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(छ) पैसेंजर कार उत्पादन बढ़ाने के लिए नई विदेश व्यापार नीति द्वारा प्रदान किए जा रहे प्रोत्साहनों का ब्यौरा क्या है ?

उत्तर
भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री
(श्री प्रफुल पटेल)

(क) और (ख): जी, हां । सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (एसआईएएम) के अनुसार, अप्रैल-नवंबर, 2012 के दौरान पैसेंजर कार उत्पादन वर्ष 2011 की तदनुरूपी अवधि की तुलना में मामूली रूप से एक प्रतिशत घटा है। अप्रैल-नवंबर, 2011 और 2012 के दौरान पैसेंजर कार उत्पादन की संख्या क्रमश: 15,75,777 और 15,91,911 थी ।

(ग): जी, हां, । 2011-12 तक पैसेंजर कारों की संयोजित वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) 17% थी । हालांकि, 2012-13 में बाजार में गिरावट आई और इसलिए पिछले 10 वर्षों की सीएजीआर गिरकर 15.86% रह गई ।

(घ) : पिछले 10 वर्षों का उत्पादन और वृद्धि दर का ब्यौरा नीचे दिया गया है:

वर्ष	**उत्पादन (संख्या में)**	**वृद्धि दर (%)**
2002-03	5,57,410	11.41
2003-04	7,82,562	40.39
2004-05	9,60,487	22.74
2005-06	10,46,133	8.92
2006-07	12,38,021	18.34
2007-08	14,26,212	15.20
2008-09	15,16,967	6.36
2009-10	19,32,620	27.40
2010-11	24,53,097	26.93
2011-12	25,37,170	3.43

पैसेंजर कारों की ऊंची वृद्धि दर के कारण निम्नवत हैं :

(i) ऑटोमोटिव मिशन प्लान (2006-16) के अंतर्गत आयात नीति, विदेशी प्रत्यक्ष निवेश नीति और उत्पाद शुल्क नीति सहित सरकार द्वारा नीतिगत हस्तक्षेप ।

(ii) उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति में बढ़ोतरी ।

(iii) आसानी से धन की उपलब्धता ।

(iv) शहरीकरण के कारण अधिक गतिशील होने की आवश्यकता ।

(ङ.) : जी, हां ।

(च) : ऑटोमोटिव मिशन प्लान 2006-16 में ऑटोमोबाइल और ऑटो कलपुर्जों के क्षेत्र के दीर्घकालिक एवं सतत आधार पर विस्तृत समर्थन और विकास की परिकल्पना की गई है।

(छ) : पैसेंजर कार का उत्पादन बढ़ाने के लिए नई विदेश व्यापार नीति में कोई प्रोत्साहन उपलब्ध नहीं कराया गया है।

*****